

# BANARAS HINDU UNIVERSITY

---

## Introduction of 'Mook Mati' in the syllabus of MA (Hindi)

1. The Board of Studies of the Department of Hindi in its meeting held on 2nd May' 09 resolved to *interalia* recommend minor modifications in the syllabus of MA (Hindi) to be made effective from the academic session 2010-11. The proposed amendment included prescription of book 'Mook Mati', written by Acharya Vidya Sagar, Bhartiya Gyanpeeth, Lodhi Road, New Delhi, in the paper 'Bhartiya Sahitya' (extract enclosed).
2. The above recommendations of the Board of Studies were considered and recommended for approval by the Faculty of Arts, in its meeting held on 07th December' 09, vide resolution no. 8.
3. The above recommendations of the Faculty of Arts were recommended for approval by the Academic Council in its meeting held on 30th June' 10 vide ACR No. 50.
4. The above recommendations of the Academic Council were approved by the Executive Council vide ECR No.205 of 31st August' 10.
5. The changes proposed by the Board of Studies of the Department of Hindi, as at para 1 above, have been accordingly implemented from the academic session 2010-11.

- 4- राष्ट्र भारती को केरला का योगदान - एस0 ई0 विश्वनाथ अय्यर, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- 5- दक्षिण के हिंदी प्रचार का समीक्षात्मक इतिहास - पी0 के0 केशवन नायर, हिंदी साहित्य भंडार, लखनऊ।
- 6- हिन्दी-भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास - प्रो. सत्यनारायण त्रिपाठी

### भारतीय साहित्य

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	-	4	ग	10	=	40
चार सप्रसंग व्याख्या	-	4	ग	5	=	20
दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न	-	10	ग	1	=	10

70 पूर्णांक

पाठ्यांश :

- क- वेदों और उपनिषदों का सामान्य स्वरूप और उनका भारतीय साहित्य पर प्रभाव, रामायण, महाभारत, पुराण का सामान्य परिचय और भारतीय साहित्य पर उनका प्रभाव।
- ख- बौद्ध और जैन धर्म का भारतीय साहित्य पर प्रभाव, वेदांत - शंकर, रामानुज, वल्लभ आदि मध्यकालीन दार्शनिकों का अवदान, शैवमत तथा मध्यकालीन साहित्य पर उसका प्रभाव।
- ग- भागवत सम्प्रदाय, वैष्णव मत- मध्यकालीन साहित्य पर उसका प्रभाव, इस्लाम और सूफीमत - उसका भारतीय साहित्य और संस्कृति पर प्रभाव, भक्ति आंदोलन और भारतीय साहित्य।
- घ- स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण तथा भारतीय साहित्य पर उसका प्रभाव। भारतीय साहित्य पर राष्ट्रीयता, गांधीवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद और अस्तित्ववाद का प्रभाव।

ड- आधुनिक युग में भारतीय साहित्य

**निर्धारिक पुस्तकें :**

- 1 गीतांजलि - रवीन्द्रनाथ टैगोर, अनुवाद: प्रयाग पुक्ल, वागरेदी प्रकाशन, बीकानेरे
- 2 सुब्रह्मय भारती की कविताएँ- एन. सी. ई. आर. टी, नयी दिल्ली
- 3 उज्जयिनी - ओ. एन. वी. कुरुप, अनुवाद : एन. ई. विस्वनाथ अच्यर साहित्यभंडार, इलाहाबाद
- 4 मूक माटी - आचार्य विद्यासागर भारतीय ज्ञान पीठ, लोदी रोड, नयी दिल्ली

अनुशंसित ग्रंथ :

- 1- भारतीय साहित्य - डॉ० भोला शंकर व्यास।
- 2- संस्कृत साहित्य का इतिहास - डॉ० बलदेव उपाध्याय।
- 3- भारतीय दर्शन - डॉ० बलदेव उपाध्याय।
- 4- भागवत सम्प्रदाय - डॉ० बलदेव उपाध्याय।
- 5- सूफीमत : साधना और साहित्य - डॉ० रामपूजन तिवारी।
- 6- संस्कृति के चार अध्याय - दिनकर।
- 7- भारतीय साहित्य - डॉ० नगेन्द्र
- 8- भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं - डॉ० रामविलास शर्मा।
- 9- भारतीय चिंतन परम्परा - के० दामोदरन।
- 10- आधुनिक भारतीय चिंतन - डॉ० विश्वनाथ नरवण।
- 11- संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास - डॉ. राधाबल्लभ त्रिपाठी
- 12- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - डॉ. कपिल देव द्विवेदी